नए विज्ञान पुरस्कारों की घोषणा

स्रोत: द हिंदू

केंद्र सरकार ने वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के लिये **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की श्रेणी के तहत 56 पुरस्कारों** (3 विज्ञान रत्न, 25 विज्ञान श्री, 25 युवा विज्ञान शांति स्वरूप भटनागर, 3 विज्ञान टीम पुरस्कार) को शुरू करने का निर्णय लिया है।

- इन **पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर की जाएगी** और वर्ष 2024 में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस **पर प्रदान किये जाएंगे।**

नोट:

- प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के समान, **इन पुरस्कारों में कोई नकद घटक शामिल नहीं होगा।**
- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 13 विज्ञान-संबंधित क्षेत्रों में दिया जाएगा।**

विज्ञान पुरस्कारों के विषय में मुख्य तथ्य:

- **शामिल पुरस्कार:**
  - **विज्ञान रत्न पुरस्कार:**
    - ये पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में की गई **पूरे जीवन की उपलब्धियों और योगदान को मान्यता** देंगे।
  - **विज्ञान श्री पुरस्कार:**
    - ये पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में **विशिष्ट योगदान को मान्यता** देंगे।
  - **विज्ञान टीम पुरस्कार:**
    - ये पुरस्कार तीन या अधिक **वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं/नवप्रवर्तकों की टीम को दिये जाएंगे,** जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में एक टीम में काम करते हुए असाधारण योगदान दिया है।
  - **विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर (VY-SSB):**
    - ये पुरस्कार **युवा वैज्ञानिकों (अधिकतम 45 वर्ष) के लिये भारत में सर्वोच्च बहुविषयक विज्ञान पुरस्कार** हैं।
    - इनका नाम वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के संस्थापक और निदेशक **शांति स्वरूप भटनागर** के नाम पर रखा गया है, जो एक प्रसिद्ध रसायनज्ञ तथा दूरदर्शी थे।
- **PIO के लिये पुरस्कार:**
  - भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO) **अब नए पुरस्कारों के लिये पात्र** होंगे, लेकिन विज्ञान रत्न केवल एक ही PIO को दिया जाएगा।
  - विज्ञान श्री और VY-SSB के लिये तीन-तीन PIO का चयन किया जा सकता है।
    - हालाँकि **PIO विज्ञान टीम पुरस्कारों के लिये पात्र नहीं होंगे।**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस:

- **परिचय:**
  - यह दिवस पहली बार **वर्ष 1999** में मनाया गया था, इसका उद्देश्य भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों को याद करना है।
    - इस **दिवस का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखा था।**
  - प्रत्येक वर्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत का प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में **उनके योगदान के लिये व्यक्तियों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित कर इस दिवस को मनाता है।**
- **महत्त्व:**
  - यह वह दिन है जब भारत ने 11 मई, 1998 को पोखरण में परमाणु बम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था।

- भारत ने **पोखरण-II नामक ऑपरेशन में अपनी शक्ति-1 परमाणु मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया,** जिसे [ऑपरेशन शक्ति](#) भी कहा जाता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार दिया जाता है? (2009)

(a) साहित्य
(b) कला प्रदर्शन
(c) विज्ञान
(d) समाज सेवा

उत्तर: C

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/announcement-of-new-science-awards